आत्मनिर्भर भारत 2.0 : एमएसएमई अग्रणी भूमिका विषयक सेमिनार

एमएसएमई की सफलता का मूल मंत्र है मजबूत सप्लाई चेन, सही वित्तीय योजना

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आइसीएमएआइ) इंदौर चैप्टर ने 'आत्मनिर्भर भारत 2.0 : एमएसएमई अग्रणी भूमिका में' विषय पर सेमिनार आयोजित किया। इसमें मुख्य वक्ता अखिलेश राठी ने कहा, एमएसएमई की सफलता का मूल मंत्र हैं उत्तम उत्पाद, मजबूत सप्लाई चैन, सही वित्तीय योजना, मूल्य संवर्धन और पारदर्शी अकाउंट्स। उन्होंने बताया, एमएसएमई अक्सर पूंजी की कमी, जल्दबाजी में विस्तार, दूसरों की नकल में बिजनेस शुरू करने और टैक्स अनुपालन की अनदेखी जैसे कारणों से असफल हो जाते हैं।

आइसीएमएआइ-डब्ल्यूआइआरसी के चेयरमैन सीएमए मिहिर व्यास ने कहा, यह मंच उद्यमियों को नई नीतियों और तकनीकी बदलावों से अपडेट रहने में मदद करता हैं। सीएमए डॉ. निरंजन शास्त्री ने थीम को 'रेजिलेंस टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, लीडरशिप और पॉलिसी के रूप में समझाया।

जानकारी की कमी से नहीं मिल पाते सरकारी लाभ : 'पॉलिसी इनीशिएटिव फॉर एमएसएमई सेक्टर' पर सत्र में एमएसएमई के निलेश त्रिवेदी और गौरव गोयल ने सरकारी योजनाएं, सब्सिडी, एमएसएमई पंजीयन, उद्यम पोर्टल, क्रेडिट गारंटी योजना और निर्यात प्रोत्साहन पर बात की।

इस मौके पर आइसीएमएआइ इंदौर चैप्टर के चेयरमैन सीएमए पंकज रायजादा, सीएमए राहुल जैन सहित कई लोग उपस्थित रहे।

Publication: Patrika

Edition: Indore

एमएसएमई की भूमिका विषय पर हुई कॉन्फ्रेंस

एमएसएमई की सफलता का राज उत्तम उत्पाद, सप्लाई चेन

इंदौर | इंस्टिट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट ऑफ इंडिया (आईसीएमएआई) के इंदौर चैप्टर और नरसी मुंजी इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (एनएमआईएमएस) के संयुक्त तत्वावधान में 'आत्मनिर्भर भारत 2.0-एमएसएमई अग्रणी भूमिका में' विषय पर कॉन्क्लेव हुआ। इसमें एनएमआईएमएस के मेंटर अखिलेश राठी ने कहा- उत्तम उत्पाद, सप्लाई चेन की मजबूती, सही वित्तीय योजना, मूल्य संवर्धन ही एमएसएमई की सफलता का राज है। आईसीएमएआई इंदौर चैप्टर के चेयरमैन सीएमए पंकज रायजादा, मिहिर व्यास, सीएमए डॉ. निरंजन शास्त्री, वाइस-प्रेसीडेंट सीएमए नीरज जोशी, एमएसएमई भारत सरकार के सहायक निदेशक नीलेश त्रिवेदी, गौरव गोयल ने प्रतिभागियों को सरकारी योजनाओं, वित्तीय सहायता मॉड्यूल, एमएसएमई पंजीयन, उद्यम पोर्टल, क्रेडिट गारंटी योजना आदि की जानकारी दी। पैनल में उजास एनर्जी के संयुक्त प्रबंध निदेशक अनुराग मूंदड़ा, आईआईटी इंदौर की प्रोफेसर डॉ. रुचि शर्मा, आईसीएमएआई के सीएमए चैतन्य मोहरिर, सीएमए विजय जोशी शामिल रहे।

Publication: Dainik Bhaskar

Edition: Indore